अनुवाद रूप 2021

EAST-WEST SEED FOUNDATION

KNOWLEDGE TRANSFER

फसल लगाने की मार्गदर्शिका । तोरई

HINDI

• खेत की जुताई और पुर्वतैयारी।

» सकरा मार्ग सिंचाई और जल निकासी में मदद करते हैं
» जैविक अथवा प्लास्टिक मल्च को मिट्टी में नमी संरक्षित करने एवं खरपतवार नियंत्रण के लिये उपयुक्त किया जा सकता हैं ।
» रोपाई से पहले ट्रेलिस स्थापित कर
» 4,400 t पौधे प्रति हेक्टेयर (किस्म और मौसम के अनुसार बदलाव)

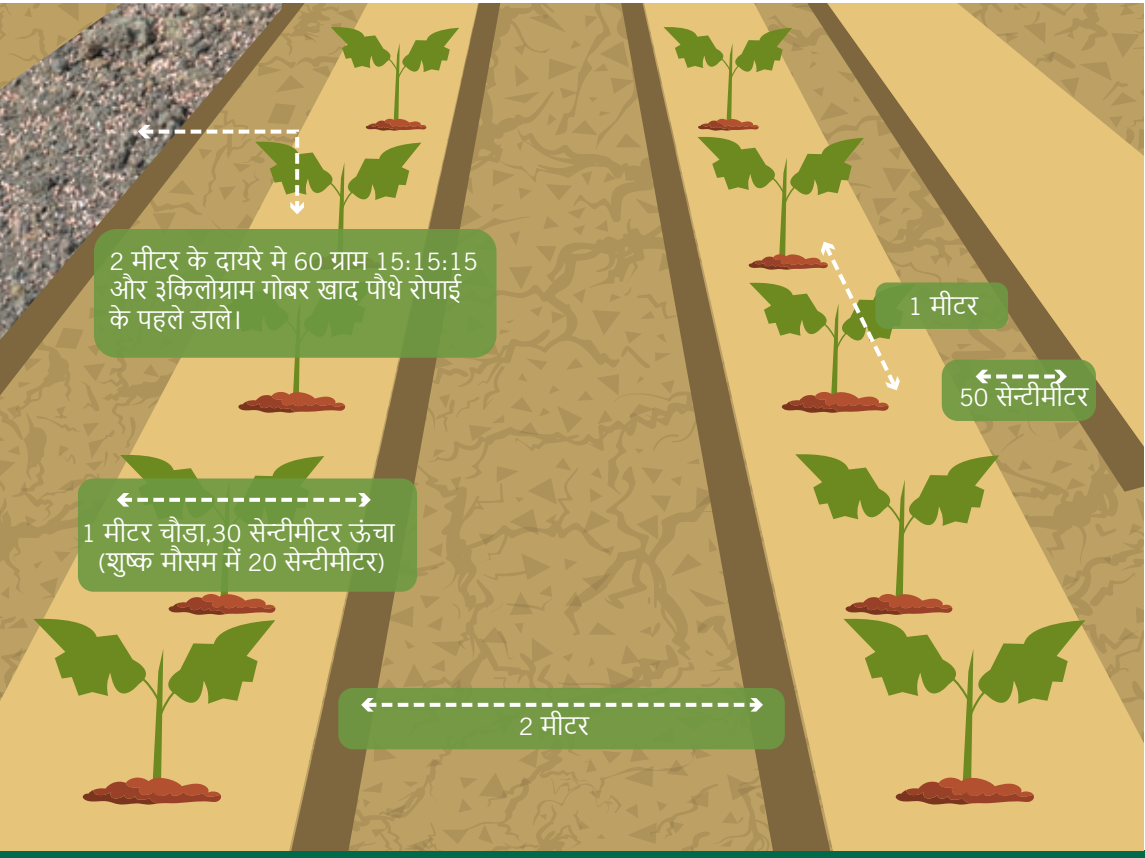

• पौधे तैयार करना।

◆ मीडिया तैयार करना; 10 मिनट के लिए गरम करना या कडी धूप मे आधे दिन तक रखना उसके उपरान्त ट्रे मे डालना।

1 से 2 भाग मिट्टी के

1 भाग विघटित खाद

1 भाग रेत या कार्बनिकृत चावल के छिलके

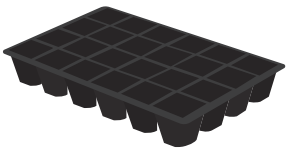

◆ बीज बोना और पौधो की रक्षा करना।

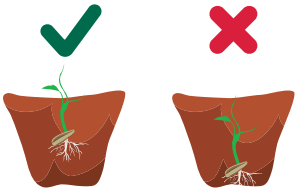

बुवाई की गहराई =2 बीज का आकार

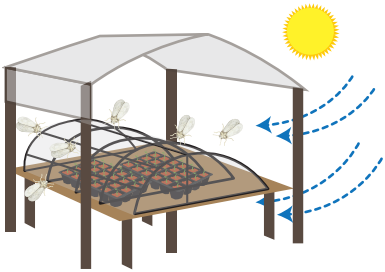

हवादार

◆ नमी बराबर रखना

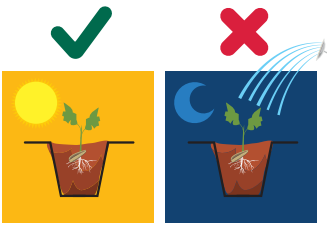

सुबह शाम

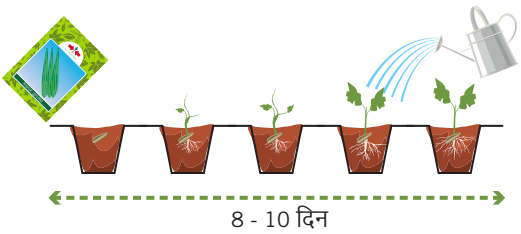

8 - 10 दिन

◆ पुर्व रोपण के 2-3 दिन पहले पानी की मात्रा कम करके,पौधों को धूप देना जरुरी है।

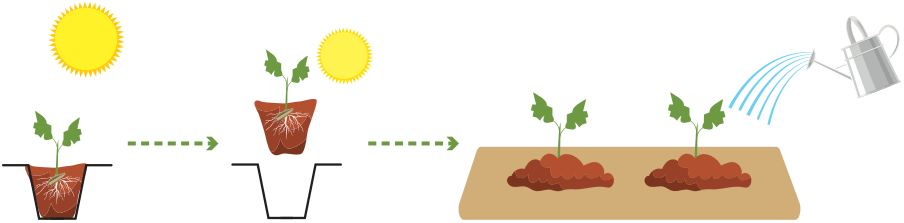

• प्रत्यक्ष बीज बोवाई।

»२ बीज प्रति अंतर पर लगाये ,जब पौधा १० सेन्टीमीटर हो जाये तो उसे निकाल ले।

• खाद व्यवस्थापन

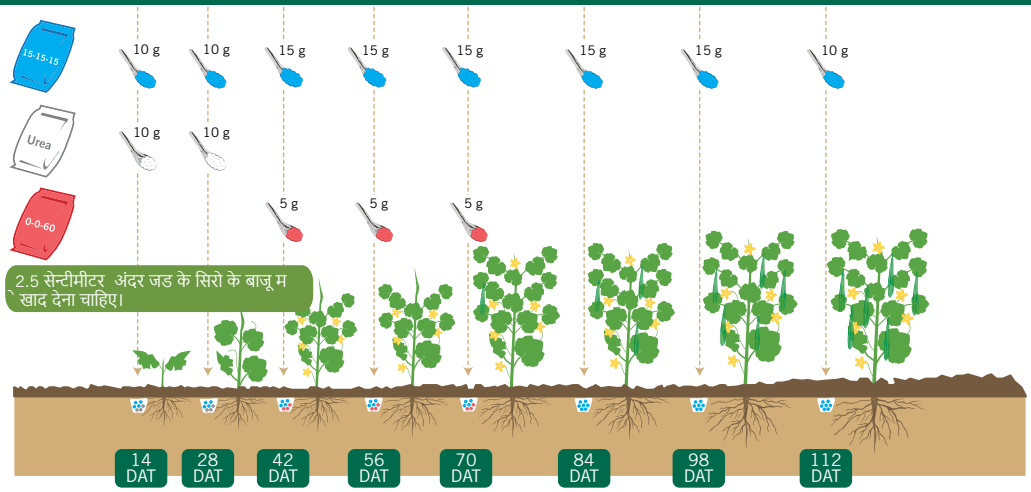

फसल में खाद की अनुशंसित मात्रा ४,४०० प्रति हेक्टेयर पौधों के लिये है।
खाद का उपयोग मृदा स्थिति, मौसम एवं पौधे की बढ़वार के अनुसार समायोजित कर सकते हैं।

• एकीकृत कीट प्रबंधन

»स्टिकी ट्रेप का उपयोग कीटों की निगरानी व अधिक संख्या मे कीटों को पकड़ने के लिए करे।
» फल मक्खी के लिए फिरोमोन ट्रेप, बैसिल अर्क ट्रेप का उपयोग करे।

रोगो के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिये संक्रमित पौधों ,पुराने पौधे एवं खरपतवार नष्ट कर दे व हटा दें।

फसल चक्रण करने से कीट और रोग रूकते है और मिट्टी की उर्वरता भी बढती है।

• एकीकृत कीट प्रबंधन एवं रसायनों का सावधानीपुर्वक उपयोग

» प्रतिरोधी क्षमता रोकने के लिये दुसरे कारवाई समूह रसायन उपयोग करे।
» हमेंशा कीटनाशक पर्चा पढे।

किटो के प्रकार

माहु

सफेद मक्खी

ईल्ली

लीफ माइनर

भृंग

फल मक्खी

क्रियाशील घटक	MoA	क्रिया	माहु	सफेद मक्खी	ईल्ली	लीफ माइनर	भृंग	फल मक्खी
ल्याम्डा - सायलोथ्रीन	3A	SC	✔	✔	✔	✔	✔	
डॅनोटोफुरान	4A	S	✔	✔		✔		✔
स्पिनोसाड	5	S			✔	✔		✔
स्पानेटोरम	5	SC			✔	✔		✔
अबेकटीन	6	SC (अल्प S)			✔	✔	✔	
थॅयोसायलम ऑक्सिलटे	14	SC	✔	✔		✔		
क्लोरानट्रानिलीप्रोल	28	S			✔			
फ्लुबेडाअमिड	28	S			✔			✔
बैसीलस थुरानजैन्सिस	11A	C			✔			
अजाडीराक्टीन(नीम अर्क	UN	अनजान	✔	✔	✔	✔	✔	✔

Mode of Action (MoA) =क्रिया की विधि ; SC (पेट + संपर्क); S (प्रणाली के अनुसार)

रोग के प्रकार

गमी स्टेम ब्लाईट

चूर्णिल आसिता

मृदुरोमिल आसिता

विषाणू रोग

क्रियाशील घटक	MoA	क्रिया	टिप्पणी	गमी स्टेम ब्लाईट	चूर्णिल आसिता	मृदुरोमिल आसिता	विषाणू रोग
कॉपर आधारित फफूंदनाशी	M 01	P		✔	✔	✔	
क्लोरोथानॉल	M 05	P		✔	✔	✔	
मॅनकोझेब	M 03	P		✔	✔	✔	
आझोक्सस्रोबिन	11	P + C	एक फ़ुसल चक्र के लिये अधिकतम चार बार	✔	✔	✔	कीट वेक्टर प्रबंध जसे माहू।
प्रोपमोकार्ब	28	P + C				✔	
सामोक्जानिल	27	C	प्रतिबंध का समूहिकरन (क्लोरोथालोनील और मैनकोजेब) प्रतिरोध क्षमता बढ़ने की संभावना (2बार इस्तेमाल करे)			✔	
मेटालॉसी	4	P + C				✔	
बैसिलस सबटालिस	BM02	P			✔	✔	

Mode of Action (MoA) कारवाई की विधि ; P= प्रतिबंधित (जब तक लक्षण न दिखे तब तक प्रभावी।, C=रोगनिवारक

1
सुरक्षित इस्तेमाल करे

2
अच्छा मौसम

3
अच्छे नोझझेल

4
छिडकाव के बाद अच्छे से धोये ।

https://growhow.eastwestseed.com

© 2021 कॉपीरीइट - ईस्ट - वेस्ट सीड फौंन्डेशन के पास सभी अधिकार सुरक्षित है।
कृषि रसायनों की संस्तुति वागैनिन्गैन यूनिवर्सिटी एवं अनुसंधान के सहयोग से विकसित किया गया है।

WAGENINGEN UNIVERSITY & RESEARCH